चतुर्दश माला, खंड 7, अंक 7

शुक्रवार, 4 मार्च, 2005
13 फाल्गुन, 1926 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद

(हिन्दी संस्करण)

चौथा सत्र
(चौदहवीं लोक सभा)

(खण्ड 7 में अंक 1 से 10 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली
मूल्य : पचास रुपये

सम्पादक मण्डल

गुरदीप चन्द मलहोत्रा
महासचिव
लोक सभा

किरण साहनी
प्रधान मुख्य सम्पादक

प्र. ना. भारद्वाज
मुख्य सम्पादक

वन्दना त्रिवेदी
वरिष्ठ सम्पादक

पीयूष चन्द्र दत्त
सम्पादक

(अंग्रेजी संस्करण में सम्मिलित मूल अंग्रेजी कार्यवाही और हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जाएगी। उनका अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जाएगा।)

विषय-सूची

चतुर्दश माला, खंड 7, चौथा सत्र, 2005/1926 (शक)

अंक 7, शुक्रवार, 4 मार्च, 2005/13 फाल्गुन, 1926 (शक)

विषय **कॉलम**

सभा में निरन्तर व्यवधान के कारण कोई कार्य नहीं हो पाया 1-4

लोक सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष

श्री सोमनाथ चटर्जी

उपाध्यक्ष

श्री चरणजीत सिंह अटवाल

सभापति तालिका

श्री पवन कुमार बंसल

श्री गिरिधर गमांग

श्रीमती सुमित्रा महाजन

श्री अजय माकन

डा. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय

श्री बालासाहिब विखे पाटील

श्री वरकला राधाकृष्णन

श्री अर्जुन सेठी

ले. कर्नल (सेवानिवृत्त) मानवेन्द्र शाह

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव

महासचिव

श्री गुरदीप चन्द मलहोत्रा

लोक सभा

शुक्रवार, 4 मार्च, 2005/13 फाल्गुन, 1926 (शक)

लोक सभा पूर्वाह्न ग्यारह बजे समवेत हुई।

[**अध्यक्ष महोदय** *पीठासीन हुए*]

...(व्यवधान)

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: आडवाणी जी, क्या आप कुछ कहना चाहते हैं?

[हिन्दी]

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (गांधीनगर): मान्यवर अध्यक्ष जी, कल राष्ट्रपति भवन में जो प्रकरण हुआ, वास्तव में वर्षों बाद ऐसी स्थिति आई है। एक बार आंध्र प्रदेश के संबंध में आई थी और फिर कल झारखंड के 41 विधायक स्वयं आकर राष्ट्रपति जी से मिले और उन्हें कहा कि वहां पर जनता ने जो निर्णय दिया था, उस निर्णय के सर्वथा विपरीत एक ऐसी सरकार बना दी गई है जिसको कोई जनादेश प्राप्त नहीं है। कुछ दिन पहले इसी प्रकार की घटना गोवा में हुई थी और वहां पर गोवा में एक प्रो टैम स्पीकर को नियुक्त करके उसके आधार पर निर्णय किया जा रहा है, जबकि प्रो टैम स्वीकर का काम बहुत सीमित होता है।...(*व्यवधान*)

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: आडवाणी जी, आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस होनी है। आप उस पर बोल सकते हैं।

...(व्यवधान)

[हिन्दी]

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि दोनों राज्यपालों को वापस बुलाया जाए, दोनों को रीकॉल किया जाए और दोनों को बर्खास्त किया जाए।...(*व्यवधान*)

पूर्वाह्न 11.02 बजे

इस समय डा. सत्यनारायण जटिया और कुछ अन्य माननीय सदस्य आए और सभा पटल के निकट खड़े हो गए।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आप पेपर्स मत दिखाइए।

...(व्यवधान)

[अनुवाद]

श्री पवन कुमार बंसल (चंडीगढ़): अध्यक्ष महोदय, वे आपसे प्रश्नकाल के दौरान बोलने की अनुमति मांगते हैं और फिर इस अवसर का दुरुपयोग करते हैं...(*व्यवधान*)

[हिन्दी]

आप इनको बोलने की इजाजत देते हैं तो ये उसका गलत फायदा उठाते हैं?...(*व्यवधान*)

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: आप मुझे अखबार न दिखाएं।

...(व्यवधान)

[हिन्दी]

अध्यक्ष महोदय: हमने तो अभी कुछ नहीं बोला है। हमें एक मिनट बोलने का मौका तो दीजिए।

...(व्यवधान)

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: क्या बात है? क्या आप मुझे आदेश दे रहे हैं?

...(व्यवधान)

[हिन्दी]

अध्यक्ष महोदय: आप अंगुली मत दिखाइए।

[अनुवाद]

कृपया नियंत्रण रखें।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: माननीय सदस्यो, हम इस सभा में कुछ नहीं कर सकते।

...(व्यवधान)

[हिन्दी]

अध्यक्ष महोदय: उनकी बात छोड़िए। हमने उनको भी डांटा है।

[अनुवाद]

आप अंगुली मत दिखाइए।

...(व्यवधान)

[हिन्दी]

अध्यक्ष महोदय: क्या बात है? क्या यह हाउस ऑफ पीपल है?

...*(व्यवधान)*

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: मैं इतनी आसानी से आपकी बात मानने वाला नहीं हूं। मैंने विपक्ष के माननीय नेता की बात सुनी है।

...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय: यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। आप सभी काफी वरिष्ठ सदस्य हैं। आपके मने में अध्यक्षपीठ के प्रति जरा भी आदर नहीं है। इसका मतलब हुआ कि आपके मन में संसद के प्रति भी कोई आदर नहीं है।

...*(व्यवधान)*

न्दी]

अध्यक्ष महोदय: आप सुनिये, हम क्या बोल रहे हैं? आपमें सुनने का धैर्य भी नहीं है?

...*(व्यवधान)*

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: मैं यह सब याद रखूंगा। मैं आप सबको जानता हूं; मैं यह सब याद रखूंगा।

...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय: कृपया बैठिए।

विपक्ष के माननीय नेता ने यहां दो मांगें रखी हैं। जहां तक कि मैं उनकी बात समझ पाया हूं, यह कि दोनों राज्यपालों को तुरन्त वापस बुलाया जाए, जैसा कि आप सब अच्छी तरह जानते हैं क्या मैं यह कर सकता हूं? उनकी उपस्थिति में आपने यह टिप्पणी की है।

...*(व्यवधान)*

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: सरकार को इसका जवाब देने दें ...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय: यदि आप मुझसे सहयोग करें तो मैं उन्हें जवाब देने को कहूंगा। आप मुझसे सहयोग नहीं कर रहे हैं। मैं क्या कर सकता हूं? यह आपकी मांग है।

...*(व्यवधान)*

[हिन्दी]

अध्यक्ष महोदय: क्या गलत का फैसला यहां खड़े होकर होगा?

...*(व्यवधान)*

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: सभा में अव्यवस्था को देखते हुए मैं सभा की कार्यवाही स्थगित करने को बाध्य हूं। परन्तु आज भारतीय संसद के लिए एक अन्य दुखद दिन है। हमारे लोकतंत्र को अब एक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। मैं सभा के सभी सदस्यों से लोकतंत्र को क्षीण न किए जाने की अपील करता हूं। हमें लोकतंत्र को क्षीण करने तथा संसद को अवमानित करने वाली कार्यवाहियों में भाग नहीं लेना चाहिये।

मैं 9 मार्च 2005 को पूर्वाह्न ग्यारह बजे पुन: समवेत होने के लिए सभा को स्थगित करता हूं।

पूर्वाह्न 11.07 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा बुधवार 9 मार्च, 2005/18 फाल्गुन, 1926 (शक) के पूर्वाह्न ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।

© 2005 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों (ग्यारहवां संस्करण) के नियम 379 और 382 के और चौधरी मुद्रण केन्द्र, 12/3, श्रीराम मार्ग, मौजपुर, दिल्ली-110053 द्वारा मुद्रित।